॥ ८ ॥ ८ ॥ ८ ॥ ७ ७ ॥ ७ ७ ॥ ७ ७ ॥ ७ ६ ॥ ० ६ ॥ ७ ६ ॥ ७ ६ ॥ ७ ६ ॥ ७ ६ ॥ ७ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ५ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६

जनमेजयउवाच कथंद्वादशवार्षिक्यामनावृष्ट्यांद्विजोत्तमान् ॥ ऋषीनध्यापयामासपुरासारस्वतोमुनिः॥ ४॥ वैशंपायनउवाच राजम्निधींमान्महातपाः॥दधीचइतिविख्यातोब्रह्मचारीजितेंद्रियः॥५॥तस्यातितपसःशकोबिभेतिसततंविभो॥नसलोभियतुंशक्यःफलैर्ब्ह्विधैरिपा॥ ॥६॥ प्रलोभनार्थंतस्याथप्राहिणोत्पाकशासनः॥ दिव्यामप्सरसंपृण्यांदर्शनीयामलंबुषां॥ १०। तस्यतर्पयतोदेवान्सरस्वत्यां महात्मनः॥ समीपतोमहाराजसो पातिष्ठतभाविनी॥८॥तांदिव्यवपुषंदृष्ट्वातस्यर्षेर्भावितात्मनः॥रेतःस्कंन्नंसरस्वत्यांतत्साजग्राह्निम्नगा॥९॥कृक्षौचाप्यद्यदृष्टातद्रेतःपुरुषर्षभ॥साद्या रचतंगर्भप्त्रहेतोर्महानदी॥ १०॥ सुष्वेचापिसमयेपुत्रंसासरितांवरा ॥जगामपुत्रमादायतऋषित्रतिचत्रभो॥ ११॥ ऋषिसंसदितंहह्वासानदीमृनिसत्त मं॥ततःत्रोवाचराजेंद्रद्दतीपुत्रमस्यतं॥ १२॥ब्रह्मर्षेतवपुत्रोयंत्वद्भत्याधारितोमया॥दृष्ट्यातेप्सरसंरेतोयत्ककंत्रप्रागलंबुषां ॥१३॥तक्किणावैब्रह्मर्षेत्व द्रक्याधृतवत्यहं॥ नविनाशमिदंगच्छेत्वत्तेजइतिनिश्रयात्॥ १४॥ प्रतिगृद्धीष्युत्रंखंमयादत्तमनिदितं॥ इत्युक्तःप्रतिजग्राहप्रीतिचावापपुष्कलां॥ १५॥ स्वसृतंचाप्यजिघ्रतंम्भिप्रेम्णाद्विजोत्तमः ॥ परिष्वज्यचिरंकालंतदाभरतसत्तम ॥ १६॥ सरस्वत्यैवरंप्रादाखीयमाणोमहामुनिः ॥ विश्वेदेवाःसपितरोगंध र्वाप्सरसांगणाः॥ १०॥ हिमंयास्यंतिसभगेतर्प्यमाणास्तवांभसा॥ इत्युकासतुत्रष्टाववचोभिर्वेमहानदीं ॥१८॥ प्रीतःपरम दृष्टात्मायथाव च्छुणुपार्थिव॥ प्रस्तासिमहाभागेसरसोब्रह्मणःपुरा॥१९॥जानंतित्वांसरिच्छ्रेष्ठेमुनयःसंशितवताः॥ममप्रियकरीचापिसततंत्रियदर्शने॥२०॥तस्मात्सारस्वतःपुत्रो महांस्तेवरवर्णिनि॥ तवैवनाम्राप्रथितःपुत्रस्तेलोकभावनः॥२१॥सारस्वतइतिख्यातोभविष्यतिमहातपाः॥ एषद्वादशवार्षिक्यामनावष्ट्यांद्विजर्षभान्॥२२॥ सारखतोमहाभागेवेदानध्यापियपति॥पुण्याभ्यश्रसरिद्यस्वंसदापुण्यतमाशुभे॥२३॥भविष्यसिमहाभागेमत्रसादात्सरखति॥एवंसासंस्तृतानेनवरंत ब्ध्वामहानदी॥ २४॥ पुत्रमादायमुदिताजगामभरतर्षभ॥ एतस्मिन्नेवकालेतुविरोधेदेवदानवैः॥ २५॥शकःप्रहरणान्वेषीलोकांस्नीन्वचचारह॥ नचोप लेभेभगवान्शकः प्रहरणंतदा॥ २६॥ यद्दैतेषांभवेद्योग्यंवधायविबुधद्दिषां॥ ततोबवीत्सुरान्शकोनमेशक्यामहासुराः॥ २७॥ ऋतेऽस्थिभिर्द्धीचस्यनिहं तुंत्रिदशहिषः॥तस्माद्गत्वाऋषिश्रेष्ठोयाच्यतांसुरसत्तमाः॥२८॥द्धीचास्थीनिदेहीतितैर्वधिष्यामहेरिपून्॥सचतैर्याचितांस्थीनियत्नाहिषवरस्तदा॥२९॥